"निर्धनता दैवीय श्राप नहीं अपितु मानवीय सृष्टि है - महात्मा गाँधी"

समूह शक्ति

जयपुर | माह - अक्टूबर, 2013 | वर्ष - एक | अंक - 6 | मासिक समाचार पत्र

आर.आर.एल.पी. अन्तर्गत युवाओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण

राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना के अन्तर्गत ग्रामीण युवाओं को व्यवसायिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) एवं सेन्ट्रल इस्टिट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी (CIPET) के मध्य सहमति ज्ञापन (MoU) किया गया है।

इस सहमति ज्ञापन के अनुसार CIPET द्वारा 18 माह की अवधि में 1000 ग्रामीण युवाओं को प्लास्टिक प्रोसेसिंग, कम्प्युटर एपलीकेशन, कम्प्युटर एडिड डिज़ाईन, मेकैनिकल, इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस आदि 10 विभिन्न प्रकार के क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करके रोजगार से जोड़ने के प्रयास किये जायेंगें। प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु प्रशिक्षणार्थियों का चयन राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना के अन्तर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के परिवार में 8वीं से 12वीं तक की शैक्षिक योग्यता रखने वाले युवा सदस्यों में से किया जायेगा।

प्रशिक्षणार्थियों की सुविधा के लिये 500 व्यक्तियों के लिये आवासीय एवं 500 व्यक्तियों के लिये गैर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया जायेगा। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि 90 दिवस की होगी।

श्रीमती अर्चना जानू
उप महाप्रबन्धक (आजीविका)

उत्थान संस्थान में सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् द्वारा लागू की जा रही समस्त आजीविका परियोजनाओं के अन्तर्गत अब तक गठित/को ऑप्टेड समूह की सदस्यता के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि तकरीबन 50–60 प्रतिशत से अधिक सदस्य सामाजिक पिछड़े वर्गों जैसे कि SC/ST/PWD आदि श्रेणी से है। परियोजना के उद्देश्य की प्राप्ति एवं वंचित वर्गों के हित में अत्यन्त आवश्यक है कि परियोजनान्तर्गत गठित संगठनों यथा स्वयं सहायता समूह, उत्थान संस्थान एवं फेडरेशन के नेतृत्व में वंचित वर्गों की उपयुक्त भागीदारी हो।

उत्थान संस्थान स्तर पर कार्यकारिणी समिति, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव के पद पर एवं उत्थान संस्थान की विभिन्न उप समितियों – स्वयं सहायता समूह कार्य अवलोकन समिति, सामाजिक अंकेक्षण समिति, सामाजिक कार्य समिति एवं वित्त समिति, में इन वर्गों के सदस्यों का उपयुक्त प्रतिनिधित्व होना आवश्यक है ।

इस हेतु परिषद् द्वारा ऐसे प्रयास किये जा रहे हैं जिससे प्राथमिक तौर पर स्वयं सहायता समूह के नेतृत्व में उपरोक्त श्रेणी के सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित हो। आर्थिक व सामाजिक रूप से पिछडे इन समुदायों को ध्यान में रखते हुए ज़िला परियोजना प्रबन्धन इकाई द्वारा निम्न रणनीति को प्रोत्साहन देने के दिशानिर्देश जारी किये गये हैं –

1. स्वयं सहायता समूह के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष एवं सचिव पद पर पिछड़े वर्ग के सदस्य के चयन को प्रोत्साहन देना।
2. इसी प्रकार उच्च स्तरीय परिसंघ यानि ग्रामीण संगठन (CDO) निर्माण में भी नेतृत्व पद पर इन वर्गों का समूचित प्रतिनिधित्व हो।
3. उत्थान संस्थान की उपसमिति की सदस्यता एवं नेतृत्व में भी कमजोर वर्गों का प्रतिनिधित्व हो।
4. उत्थान संस्थान की कार्यकारिणी समिति में प्रति स्वयं सहायता समूह से कम से कम दो सदस्यों द्वारा भाग लिया जाना चाहिए ताकि स्थाई रूप से भाग ले रहे सदस्य के अलावा अन्य सभी सदस्यों को बारी–बारी सीडीओं में प्रतिनिधित्व करने का मौका मिले।

श्रीमती रत्ना वर्मा
विशेषज्ञ (सामाजिक समावेशन)

सफलता की कहानियाँ – अजमेर

1 जय गौरी स्वंय सहायता समूह केशरपुरा पंचायत समिति पीसागंन–

इस समूह का गठन 20.06.07 को किया गया था, इस समूह में 14 सदस्य सम्मिलित है। समूह के सभी सदस्यों ने 50 रू. प्रति माह बचत करने का निर्णय लिया । समूह ने अपना खाता बी.ओ. बी. सराधना में खुलवाने का निर्णय लिया, इस समूह को जिला परिषद् द्वारा रिवोल्विंग फण्ड दिया जा चुका है। समूह ने सिलाई को अपनी आर्थिक गतिविधि अपनाते हुए प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समूह की महिलाऐं कार्य करती हुई

2

समूह का नाम : माँ दुर्गा भवानी सहायता समूह, जूनिया

पता : ग्राम जूनिया, ग्राम पंचायत जूनिया, पंचायत समिति केकडी, जिला अजमेर।

समूह की गठन की दिनांक : 11.7.2007

समूह बचत खाता बैंक : बैंक ऑफ बडौदा, जूनिया

समूह के सदस्य : 12

उक्त स्वयं सहायता समूह के गठन बाद समूह का खाता बैंक ऑफ बडौदा जूनिया में खुलवाया गया। समूह का मुख्य उद्देश्य एक ऐसी आर्थिक गतिविधि को अपनाना था जो भविष्य में स्वरोज़गार के अवसर प्रदान कर आय में वृद्धि कर सके। इसके लिए समूह की नियमित बैठक आपसे लेन–देन जागरूकता आवश्यक थी। जो समूह के सभी सदस्यों में थी। समूह के सदस्यों ने प्रथम ग्रेडिंग उपरान्त रिवोलविंग फण्ड प्राप्त किया और इस राशि को उन्होने अपनी आर्थिक गतिविधि प्रारम्भ करने के लिए उपयोग किया। रिवोलविंग फण्ड प्राप्त करने के बाद उन्होने छः माह बाद द्वितीय ग्रेडिंग करायी। जिसमें सफल होने उपरान्त बैंक ने रूपये 3 लाख दरी, पट्टी और गलीचा निर्माण के लिये ऋण लिया। आज की स्थिति में समूह के सदस्य प्रति माह चार हजार से रूपये पाँच हजार की आय कर रहे हैं एवं बैंक ऋण की किश्त भी समय पर चुका रहे हैं। इस गतिविधि को अपनाने से उनके आर्थिक स्तर में सुधार आया है एवं आय में भी वृद्धि हुई है। समूह अपने उत्पादित माल को बेचने के लिए विभिन्न सरस मेलों में भी जाते है। जिससे उनकी आय में निरन्तर वृद्धि हो रही है।

3

समूह का नाम : पुरवणी मैया स्वयं सहायता समूह, बघेरा

पता : ग्राम बागरियों की ढाणी, ग्राम पंचायत बघेरा, पंचायत समिति केकडी, जिला अजमेर।

समूह की गठन की दिनांक : 16.01.2008

समूह बचत खाता बैंक : ए.सी.सी.बी., केकडी

समूह के सदस्य : 13

उक्त स्वयं सहायता समूह के गठन बाद समूह का खाता ए.सी. सी.बी., केकड़ी में खुलवाया गया। समूह का मूख्य उद्देश्य एक ऐसी आर्थिक गतिविधि को अपनाना था। जो भविष्य में स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर आय में वृद्धि कर सके। इसके लिए समूह की नियमित बैठक आपसे लेन–देन जागरूकता आवश्यक थी। जो समूह के सभी सदस्यों में थी। समूह के सदस्यों ने प्रथम ग्रेडिंग उपरान्त रिवोलविंग फण्ड प्राप्त किया और इस राशि को उन्होने अपनी आर्थिक गतिविधि प्रारम्भ करने के लिए उपयोग किया। रिवोलविंग फण्ड प्राप्त करने के बाद उन्होने छः माह बाद द्वितीय ग्रेडिंग करायी। जिसमें सफल होने उपरान्त बैंक ने रूपये 2 लाख 60 हजार दोना–पत्तल निर्माण के लिये ऋण लिया। आज की स्थिति में समूह के सदस्य प्रति माह दो हजार से रूपये तीन हजार की आय कर रहे है एवं बैंक ऋण की किश्त भी समय पर चुका रहे है। इस गतिविधि को अपनाने से उनके आर्थिक स्तर में सुधार आया है एवं आय में भी वृद्धि हुई है। समूह अपने उत्पादित माल को बेचने के लिए विभिन्न स्थानीय बाजार में भी जाते है। जिससे उनकी आय में निरन्तर वृद्धि हो रही है।

नीरज भटनागर
जिला परियोजना प्रबन्धक, "राजीविका" अजमेर

धौलपुर में संपन्न हुए सी.आर.पी. प्रशिक्षण कार्यक्रम

धौलपुर – राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् के अन्तर्गत जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई धौलपुर के तत्वाधान में अक्टूबर 2013 में होने वाले आंतरिक सी.आर.पी. राउण्ड की सफलता के लिये एक साथ दो स्थानों धौलपुर और सरमथुरा में दिनांक 14 से 16 अक्टूबर तक 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे सहेली समिति धौलपुर के 30 तथा सहेली सरमथुरा की 24 सी.आर.पी. प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को क्षेत्र में अपनायी जाने वाली विभिन्न पद्धतियों को विस्तार से बताया गया साथ ही साथ व्यवहारिक रूप में संभागियों द्वारा रोल प्ले कर प्रशिक्षण को और रूचिकर बनाने का कार्य किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र एवं ग्राम प्रवेश, ट्रांज़ैक्ट वॉक, पी.आर.ए. वैल्थ रैंकिग, सहभागी पद्धति से गरीब लाभार्थियों की पहचान कर उन्हे स्वयं सहायता समूहों के रूप में संगठित करने हेतु प्रशिक्षण दिया गया।

इन दोनों प्रशिक्षण कार्यक्रमों में जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई की और से श्री हरि सिंह (पी.एफ.टी. मैनेजर) श्री हरेन्द्र शर्मा (प्रबंधक, आजीविका एवं पर्यावरण) श्री महेश कंशाना (कम्यूनिटी मोबिलाईज़ेशन) तथा श्री एन.के.बंसन, जिला परियोजना प्रबंधक ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के समापन के पूर्व सभी संभागियों से प्रशिक्षण का फीडबैक लिया गया एवं प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त अनुभवों को क्षेत्र में समुदाय के मध्य उचित क्रियान्वयन हेतु प्रेरित किया गया।

एन. के. बंसल
जिला परियोजना प्रबन्धक, "राजीविका" धौलपुर

कोटा ज़िले में 5 जिलों का इमरशन विज़िट

कोटा – दिनांक 21 से 26 अक्टूबर 2013 की अवधि में जिला कोटा में इमरशन कार्यक्रम में झालावाड़, बांरा, बूंदी, चुरू व टोंक के पी-एफ-टी- टीम के कुल 8 पी-एफ-टी- सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रमानुसार DPMU कार्यालय कोटा में टीम के साथ बैठक की गई आपसी परिचय के पश्चात कोटा की भौगोलिक व ग्रामीण स्थिति के साथ RGAVP कोटा की प्रगति एवं क्षेत्र विशेष की जानकारी दी गई। दिनांक 22.10.2013 को बपावरकलां के पूजा स्वयं सहायता समूह की बैठक की प्रक्रिया व उनके कार्य का अवलोकन किया। दिनांक 23.10.2013 को कनवास की मां शक्ति शारदा स्वयं सहायता समूह एवं उन्नति उत्थान संस्थान कनवास (CDO) की बैठक, कार्यप्रणाली व रिकार्ड की जानकारी प्राप्त की। दिनांक 24.10.2013 को गणेश स्वयं सहायता समूह एवं सारोला संकुल उत्थान संस्थान सारोला की बैठक, कार्यप्रणाली व रिकार्ड संधारण की व्यवाहरिक जानकारी प्राप्त की तथा बैंक मैनेजर BRKGB बम्बोरी से बैंक में मिलकर तथा समूह के साथ कार्य पर चर्चा एवं पर्यवेक्षक आईसीडीएस तथा जनप्रतिनिधियों से आजीविका गतिविधियों, समस्याओं व निवारण पर चर्चा की। दिनांक 25.10.2013 को रिद्धि–सिद्धि स्वयं सहायता समूह एवं अमृता बहुउदेद्शीय उत्थान संस्थान देवली की बैठक, कार्यप्रणाली व रिकार्ड संधारण पर चर्चा तथा बैंक मैनेजर BRKGB देवली से समूह से सम्बन्धित कार्यो पर चर्चा की। दिनांक 26.10.13 को 6 दिवसीय इमरशन कार्यक्रम के अनुभव का आदान प्रदान करने हेतु भीतरिया कुण्ड कोटा में बैठक आयोजित की गई जिसमें LDM श्री दरगाही सिंह, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया कोटा, जिला समन्वयक एच. आर. मीणा, बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक कोटा, निदेशक रूडसेटी, श्री आर. सी. गुप्ता व बैंक मैनेजर तथा डीपीएमयू स्टॉफ के साथ इमरशन प्रतिभागियों ने अपने अनुभवों और सुझावों पर चर्चा एवं समीक्षा की तथा इमरशन विज़िट का फीडबैक दिया गया। जिला परियोजना प्रबन्धक श्री मनोज पूरबगोला ने सभी इमरशन विज़िट प्रतिभागियों को अपने अनुभवों का लाभ अपने जिला में उपयोग करने हेतु बताया।

मनोज पूरबगोला
जिला परियोजनाा प्रबन्धक, "राजीविका" कोटा

राजीविका, टोंक द्वारा सीआरपी/ पीआरपी डी–ब्रीफिंग कार्यक्रम आयोजित

टोंक– राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) टोंक द्वारा दिनांक 09 अक्टुबर, 2013 को राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना के अन्तर्गत एस.ई.आर.पी. संस्था, आन्ध्र प्रदेश के सी.आर.पी. व पी.आर.पी. द्वारा स्वयं सहायता समूहों के निर्माण कार्य के तृतीय राउण्ड की समाप्ति डी–ब्रीफिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। डी–ब्रीफिंग कार्यक्रम में परियोजनान्तर्गत रिसोर्स ब्लॉक निवाई के चार क्लस्टर करेड़ा बुजुर्ग, सिरस, सुनारा व निवाई के सभी सी.आर.पी., पी.आर.पी. व पी.एफ.टी. द्वारा भाग लिया गया साथ ही क्लस्टर में कार्य की प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया गया।

सी.आर.पी. डी–ब्रीफिंग कार्यक्रम में रिसार्स ब्लॉक निवाई में गठित बीपीएल व बीपीएल प्लस परिवारों के स्वयं सहायता समूहों की 10 सक्रिय महिला कार्यकर्ता उपस्थित हुई। सक्रिय महिला कार्यकर्ताओं ने अपने क्षेत्र में सीआरपी/पीआरपी द्वारा गांव में प्रवेश करने पर की जाने वाली चर्चा, समूह गठन हेतु गरीब महिलाओं को एकत्रित करने में आने वाली समस्याओं व समूह गठन में स्वयं की भागीदारी निभाने पर प्रस्तुतीकरण दिया। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में इस परियोजना के अन्तर्गत अधिक से अधिक गरीब परिवारों के सदस्यों के समूह निर्माण करने, आजीविका की गतिविधियों से जुडकर लाभान्वित होने व इस माध्यम से गरीबी रेखा से उपर उठाने का संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम में श्री एस. मगंल, अग्रणी जिला प्रबन्धक, टोंक भी उपस्थित रहे, जिन्होने सी.आर.पी./पी.आर.पी. व पी.एफ.टी. द्वारा रिसार्स ब्लॉक निवाई में गठित समूहों के सर्विस एरिया अन्तर्गत बैंक शाखाओं द्वारा खाता खोलने में आ रही समस्याओं का शीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में राजीविका, जयपुर से श्री सुनिल दत्तात्रेय, (महाप्रबन्धक, रिसोर्स ब्लॉक मुख्यालय, जयपुर), श्री एम. नागेश्वर राव व एन. सतीश कुमार (स्टेट एंकर परसन, सर्प हैदराबाद) श्री के. रामकृष्णा, (एस.पी.एम. एनआरएलएम, आन्ध्र प्रदेश) भी उपस्थित रहे।

प्रहलाद कुमार रावत
जिला परियोजना प्रबन्धक, "राजीविका" टोंक

बारां जिले में आयोजित डी–ब्रीफिंग कार्यशाला

बारां – डी–ब्रीफिंग बैठक का आयोजन डी.पी.एम.यू. बारां द्वारा दिनांक 09.10.2013 को वंश गार्डन, बारां में किया गया। बैठक का भुभारंभ श्री अनिल सिंह विशेषज्ञ माईक्रोफाईनेन्स एस.पी.एम.यू., जयपुर निदेशक रूडसेटी, बारां व जिला परियोजना प्रबंधक डी.पी.एम.यू., बारां द्वारा माँ सरस्वती को माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

जिला परियोजना प्रबंधक डी.पी.एम.यू, बारां द्वारा औपचारिक रूप से उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए परियोजना का उद्देश्य, कार्यक्षेत्र व रिसोर्स ब्लॉक रणनीति पर विस्तार से प्रकाश डाला। आगे उद्बोधन जारी रखते हुए डी–ब्रीफिंग बैठक की आव यकता व महत्व के बारे में बताया। सभी संकुल अपने संकुल में सी.आर.पी. तृतीय चरण के दौरान की उपलब्धियां, परिणाम, बेहतर प्रेक्टिसेस व समस्याओं को सम्मिलित कर प्रस्तुत किया।

श्री अनिल सिंह (विशेषज्ञ माईक्रोफाईनेन्स) ने बताया कि रिसोर्स ब्लॉक की आव यकता क्यों हैं व भविष्य में इसके दूरगामी प्रभाव क्या होंगे। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों से कहा कि तृतीय चरण के दौरान प्रस्तुत अनुभव, सीख व समस्याओं को साझा करे ताकि एस.पी.एम.यू. स्तर पर भी बेहतर नीतियों को विकसित किया जा सके।

पारसचन्द जैन
जिला परियोजना प्रबन्धक "राजीविका" बारां

स्वताधिकारी राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् के लिए प्रकाशक स्टेट मिशन डायरेक्टर, राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् "राजीविका" जयपुर द्वारा प्रकाशित।
प्रकाशक– सुबीर कुमार (आई.ए.एस.), स्टेट मिशन डायरेक्टर (राजीविका)।
सम्पादक– डॉ. रश्मि शर्मा
सह सम्पादक– विजय शर्मा
संकलन– अंजु बर्क
पता – तृतीय तल, आरएफसी ब्लॉक, उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर (राज.)।
दूरभाष – 0141–2227011, 2227416, फैक्स– 2227723,
website: www.rgavp.org

Printed by: **Bhavan Graphic Printers** # 09413341320